

फर्द अहकाम

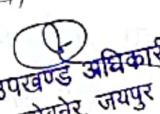

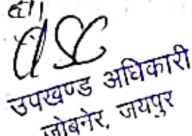



आज्ञा क्र. १

बनाम

रमेश

जय का नाम :- उपखण्ड अधिकारी, जोबनेर

नं. 147/202...2

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
26.3.25	पत्रावली पेश हुई। वक्तुलाए परिचय उपस्थित। पूर्वतिरंग की मालना में पत्रावली दिनांक 16/4/25 को पेश हो।  उपखण्ड अधिकारी जोबनेर, जयपुर	
16.4.25	पत्रावली पेश हुई। वक्तुलाए परिचय उपस्थित। पूर्वतिरंग की मालना में पत्रावली दिनांक 11/6/25 को पेश हो।  उपखण्ड अधिकारी जोबनेर, जयपुर	
11.6.25	पत्रावली पेश हुई। वक्तुलाए परिचय उपस्थित। पूर्वतिरंग की मालना में पत्रावली दिनांक 30/6/25 को पेश हो।  उपखण्ड अधिकारी जोबनेर, जयपुर	
30.7.25	पत्रावली पेश हुई। वादी/प्रतिवादी अधिवक्ता उपस्थित/अनुपस्थित है पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 8/8/25 को पेश हो 	
8/8/25	पत्रावली पेश हुई। आज अग्निभाषक संघ ने कार्य रथागित रखा है। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 10/9/25 को पेश हो। 	
10.9.25	पत्रावली पेश हुई। वादी/प्रतिवादी अधिवक्ता उपस्थित/अनुपस्थित है पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 8/10/25 को पेश हो 	
8.10.25	पत्रावली पेश हुई। वक्तुलाए परिचय उपस्थित। संख्या 1 व 2 को परामर्श भवसर प्रयास करने के	

उपरोक्त भी पत्रार्थ प्रार्थना पत्र में नहीं करने
 पर पत्रार्थ प्रार्थना पत्र को दृष्टिगत किया गया। शेषित
 प्रार्थना के निवेदन पर बहुत प्रार्थना पत्र ~~का~~ भूमि
 गयी। बहुत अधिनियम पर मनन किया गया।
 पत्रार्थी का अवलोकन किया गया। बहुत
 अधिनियम प्रार्थी एवं मनन एवं पत्रार्थी व
 उपस्थित रिपोर्ट के अवलोकन उपरोक्त प्रार्थना
 प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना अनिवार्य
 प्रतीत होता है। अतः प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना
 पत्र अन्तर्गत धारा 212 RTI स्वीकार किया
 जाकर उपरोक्त को ताल्लेख वाक्य पाठ्य
 किया जाता है कि वाक्य अन्तर्गत भारतीय
 सं. 146 अन्वया 7-398 वाले धारा लोहरवाडा
 पं. 8. द्वितीय के मोके एवं वाक्य रिपोर्ट
 की अधिनियम बनाएं होंगे। निर्दिष्ट सुले-मात्र
 में सुनाया गया। पत्रार्थी को सल धुमार होल
 नंबर से काम होकर दायित्व स्फुट हो।

उपखण्ड अधिकारी
 जोबनेर, जयपुर